

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास विभाग-2
संख्या:-27/VII-1/31-उद्योग/2016
देहरादून : दिनांक 25 जनवरी, 2017

कार्यालय-ज्ञाप

राज्य में सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के कार्य-कलापों का प्रभावी ढंग से अनुश्रवण, उनके कार्मिकों के अधिष्ठान सम्बन्धी विषयों के समाधान, समस्त सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के विभिन्न विषयों पर नीति निर्धारण करने एवं सार्वजनिक निगम/उपक्रमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर परामर्श हेतु श्री राज्यपाल औद्योगिक विकास विभाग के अन्तर्गत निम्नानुसार उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- | | |
|---|------------|
| (1) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन | अध्यक्ष |
| (2) प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य |
| (3) प्रमुख सचिव/सचिव कार्मिक, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य |
| (4) प्रमुख सचिव/सचिव न्याय, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य |
| (5) संबंधित प्रशासकीय विभाग के प्रमुख सचिव/सचिव | सदस्य |
| (6) प्रमुख सचिव/सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन | सदस्य सचिव |
| (7) निदेशक, ऑडिट, उत्तराखण्ड, द्वितीय तल, कमिश्नर टैक्स भवन, मसूरी
बाई पास रोड रिंग रोड, देहरादून। | सदस्य |
| (8) 03 विशेषज्ञ जो वित्त/लेखा/कम्पनी मामलों की गहन जानकारी रखते
हो | सदस्य |

2- समिति द्वारा विभिन्न विभागों के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के मामलों पर विचार करते समय गठित समिति के अतिरिक्त जैसा आवश्यक समझे तीन विशेषज्ञों को सदस्य के रूप में आमंत्रित किया जा सकता है।

3- समिति समिति द्वारा विभिन्न विभागों के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के मामलों निम्नलिखित प्रकरणों पर विचार करते हुये परामर्श दिया जायेगा :-

- (1) सार्वजनिक उद्यमों के कर्मचारियों का वेतन पेंशन निर्धारण, वेतन विसंगतियों एवं कार्मिक विषयों का निराकरण, सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं की सेवा में विभिन्न वर्ग के आरक्षित पदों के लिये शासन की सामान्य नीति के आधार पर निर्देश/मार्गदर्शन जारी करना।
- (2) सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं में गैर सरकारी निदेशकों/अध्यक्षों को अनुमन्य सुविधाओं के सम्बन्ध में नीति निर्धारण।
- (3) सार्वजनिक उद्यमों के कार्य-कलापों का अध्ययन/अनुश्रवण एवं उनकी कार्य प्रणाली में सुधार लाने हेतु निर्देश/मार्गदर्शन।
- (4) सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के मार्गदर्शन एवं निर्देश हेतु सामान्य नीति निर्धारण।
- (5) सार्वजनिक उद्यमों की राज्य सहायता के संबंध में परामर्श एवं राज्य सहायता समिति की बैठकों का आयोजन करना।
- (6) सार्वजनिक उद्यमों/निगमों/शासकीय विभागों के मध्य उत्पन्न विवादों के संबंध में गठित समिति से संबंधित कार्य।

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास विभाग-2
संख्या:-27/VII-1/31-उद्योग/2016
देहरादून : दिनांक 25 जनवरी, 2017

कार्यालय-ज्ञाप

राज्य में सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के कार्य-कलापों का प्रभावी ढंग से अनुश्रवण, उनके कार्मिकों के अधिष्ठान सम्बन्धी विषयों के समाधान, समस्त सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के विभिन्न विषयों पर नीति निर्धारण करने एवं सार्वजनिक निगम/उपक्रमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर परामर्श हेतु श्री राज्यपाल औद्योगिक विकास विभाग के अन्तर्गत निम्नानुसार उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- | | |
|---|------------|
| (1) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन | अध्यक्ष |
| (2) प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य |
| (3) प्रमुख सचिव/सचिव कार्मिक, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य |
| (4) प्रमुख सचिव/सचिव न्याय, उत्तराखण्ड शासन। | सदस्य |
| (5) संबंधित प्रशासकीय विभाग के प्रमुख सचिव/सचिव | सदस्य |
| (6) प्रमुख सचिव/सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन | सदस्य सचिव |
| (7) निदेशक, ऑडिट, उत्तराखण्ड, द्वितीय तल, कमिश्नर टैक्स भवन, मसूरी
बाई पास रोड रिंग रोड, देहरादून। | सदस्य |
| (8) 03 विशेषज्ञ जो वित्त/लेखा/कम्पनी मामलों की गहन जानकारी रखते
हो | सदस्य |

2- समिति द्वारा विभिन्न विभागों के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के मामलों पर विचार करते समय गठित समिति के अतिरिक्त जैसा आवश्यक समझे तीन विशेषज्ञों को सदस्य के रूप में आमंत्रित किया जा सकता है।

3- समिति समिति द्वारा विभिन्न विभागों के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के मामलों निम्नलिखित प्रकरणों पर विचार करते हुये परामर्श दिया जायेगा :-

- (1) सार्वजनिक उद्यमों के कर्मचारियों का वेतन पेंशन निर्धारण, वेतन विसंगतियों एवं कार्मिक विषयों का निराकरण, सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं की सेवा में विभिन्न वर्ग के आरक्षित पदों के लिये शासन की सामान्य नीति के आधार पर निर्देश/मार्गदर्शन जारी करना।
- (2) सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं में गैर सरकारी निदेशकों/अध्यक्षों को अनुमन्य सुविधाओं के सबन्ध में नीति निर्धारण।
- (3) सार्वजनिक उद्यमों के कार्य-कलापों का अध्ययन/अनुश्रवण एवं उनकी कार्य प्रणाली में सुधार लाने हेतु निर्देश/मार्गदर्शन।
- (4) सार्वजनिक उपक्रमों/निगमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के मार्गदर्शन एवं निर्देश हेतु सामान्य नीति निर्धारण।
- (5) सार्वजनिक उद्यमों की राज्य सहायता के संबंध में परामर्श एवं राज्य सहायता समिति की बैठकों का आयोजन करना।
- (6) सार्वजनिक उद्यमों/निगमों/शासकीय विभागों के मध्य उत्पन्न विवादों के संबंध में गठित समिति से संबंधित कार्य।